

214

विलोपित-विलोपित

विलोपित-विलोपित

विलोपित-विलोपित

माननीय न्यायालय आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर

अपील-0873/2019/दतिया/208478

हरण क्रमांक ----- / 2019 अपील

हरीराम सिंह यादव पुत्र श्री आशाराम आयु 56 वर्ष, व्यवसाय खेती व नौकरी निवासी ग्राम उडीना परगना भाण्डेर जिला दतिया

---अपीलार्थी

बनाम

1. श्रीमती ईमरती देवी पत्नी श्री हुकमुमसिंह यादव आयु 62 वर्ष निवासी ग्राम उडीना परगना भाण्डेर जिला दतिया
2. तहसीलदार भाण्डेर जिला दतिया म0प्र0

---प्रत्यर्थीगण

श्री हुकमुमसिंह यादव को  
द्वारा अमल दिनांक 20-8-2019  
प्रस्तुत। प्रारंभिक तर्क हेतु  
दिनांक 20-8-2019 नियत।

अपील अन्तर्गत धारा 44 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता विरुद्ध आदेश

बलक सिंह कोट  
राजस्व मण्डल, म.प्र. ग्वालियर 18.05.2017 एवं आदेश दिनांक 04.01.2018 जो कि बंटवारा प्रकरण

क्रमांक 4/बी-121/2016-17 माननीय अपर कलेक्टर जिला दतिया एवं  
खसरा अमल दिनांक 21.12.2018

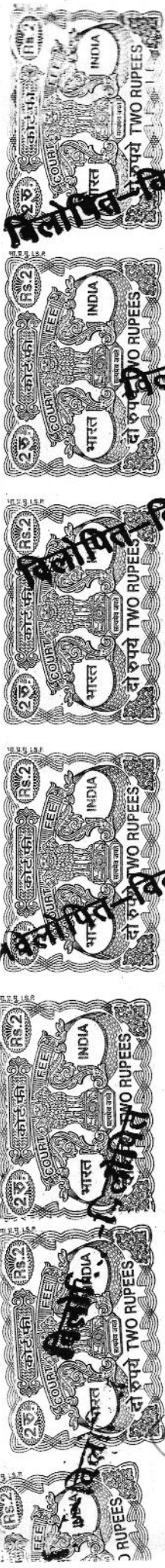
माननीय महोदय,

अपीलार्थी की ओर से अग्रील सादर निम्नप्रकार प्रस्तुत है:-

1. यहकि, अपीलार्थी के स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य की आराजी भूमि पूर्व सर्वे क्रमांक 2179, 2180 एवं 2187 ग्राम निवासी ग्राम उडीना परगना भाण्डेर जिला दतिया कुल रकबा 1.63 हेक्टेयर स्थित है उक्त भूमि सर्वे क्रमांक का वर्ष 2000 में बन्दोबस्ती के दौरान एक संयुक्त रकबा सर्वे क्रमांक 1404 निर्मित किया गया जिसमें कुल रकबा 1.65 हेक्टेयर नियमानुसार तथा विधिता: सम्पूर्ण प्रक्रिया का पालन कर राजस्व रिकार्ड तथा नक्शा व पट्टवारी रिकार्ड में अपीलार्थी के नाम से अंकित किया गया।
2. यहकि, उक्त के पचात अपीलार्थी की उपरोक्त भूमि सर्वे क्रमांक 1404 से लगे हुए सर्वे क्रमांक 1386 में अपीलार्थी के भाई हुकमुमसिंह यादव की पत्नी श्रीमती इमरती देवी/प्रत्यर्थी के नाम रकबा 0.62 हेक्टेयर उक्त

2  
20/8/19  
[Signature]

44  
[Signature]  
20/8/19


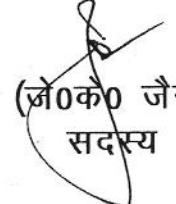


न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

कमांक अपील-0873/2019/दतिया/भूरा.

हरीराम सिंह यादव विरुद्ध श्रीमती ईमरती देवी व तहसीलदार

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
22-08-2019	<p>आवेदक अभिभाषक श्री हृदेश सोनी उपस्थित। उनके द्वारा निवेदन किया गया है कि प्रकरण अपर कलेक्टर दतिया के आदेश दिनांक 21-12-2018 के विरुद्ध आयुक्त ग्वालियर संभाग, ग्वालियर के समक्ष पेश किया जाना था, जो त्रुटिवश इस न्यायालय में पेश कर दिया गया है। मूल अपील भी आयुक्त ग्वालियर संभाग, ग्वालियर को इंगित है। अतः अपील सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु वापस किया जाये। इस बीच व्यतीत हुये समय की गणना समय-सीमा में करने हेतु निर्देशित किया जाये।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक के निवेदन पर विचार किया गया तथा प्रकरण का अवलोकन किया गया। यह अपील प्रकरण अपर कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया जाने हेतु प्रेषित किया गया था, जो पक्षकार की त्रुटि से इस न्यायालय में प्रस्तुत हो गयी है।</p> <p>अतः आवेदक अभिभाषक का तर्क सदभाविक मानते हुये प्रकरण सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु वापस किया जाता है। इस न्यायालय में व्यतीत हुये समय की गणना समय-सीमा में की जाये।</p> <p></p> <p> (जे०के० जैन) सदस्य</p>	